|  |  |
| --- | --- |
| ZAHLenMauern – Rohlinge zum Selbermachen | |
| **Lehrplaneinheit** | Grundrechenarten/Bruchrechnen |
| **Leitidee** | Zahl |
| **Kompetenzen** | Probleme mathematisch lösen, mathematisch modellieren, ★ – ★★★ |
| **Sozialform, Methode** | Einzelarbeit |
| **Ziel, Erwartungshorizont** | Umsetzung der Kenntnisse für Grundrechenarten und Bruchrechnen |
| **Zeitlicher Umfang** | 10 – 20 Minuten |
| **Didaktische Hinweise** | Durch die Angabe der Rechenart zu Beginn jeder Zeile kann jede Grundrechenart geübt werden. Die Auswahl der Zahlen ermöglicht verschiedene Schwierigkeitsgrade der Aufgaben. Werden Lücken bei der Aufgabenstellung gelassen, kann man „Rückwärtsaufgaben“ erzeugen. Leere Zahlenmauern bieten den Schülerinnen und Schülern Raum zum Erfinden eigener Aufgaben. |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | + |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | + |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | + |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | + |  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ∙ |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ∙ |  |  |  |  |  |  |  | | |  |  | | |  |  | | |  |  |  |  |